B.A. PART – 1

हिन्दी (प्रतिष्ठा) द्वितीय-पत्र

मध्ययुगीन इतिहास एवं काव्य (आधुनिक काल)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रश्न :- आधुनिक काल (पद्य) नामकरण पर प्रकाश डालें।

उत्तर :- परिवर्तन की शाश्वत चलने वाली प्रक्रिया के कारण जीवन और जगत के हर क्षेत्र में बदलाव आता है। साहित्य भी इसका अपवाद नहीं। रीतिकालीन शृंगार-प्रधान दरबारी काव्य धीरे-धीरे ह्रासोन्मुखी हो गया और साहित्य में नयी प्रवृत्तियों का प्रादुर्भाव हुआ। ये नवीन प्रवृत्तियाँ अचानक एवं आकस्मिक रूप से विकसित नहीं हुई अपितु परिवर्तन की अरसे से चलने वाली धीमी प्रक्रिया ने इन्हें जन्म दिया।

आधुनिक काल के नामकरण के सम्बन्ध में कोई विशेष विवाद नहीं है, यद्यपि इस काल के लिए कुछ और नाम भी दिए गए हैं, जैसे- वर्तमान काल (मिश्रबन्धु), गद्यकाल (आचार्य शुक्ल) तथा आधुनिक काल (डॉ० रामकुमार वर्मा, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं अद्यतन उपलब्ध सामग्री के आधार पर भी रखा गया। डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त भी इसे आधुनिक काल कहना ही अधिक समीचीन मानते हैं। आचार्य शुक्ल ने इस कालखण्ड में 'गद्य' की प्रवृत्ति को प्रमुख मानकर इसका नामकरण 'गद्यकाल' किया, किन्तु गद्यकाल कहने से ऐसा लगता है, मानो इस काल में पद्य या काव्य रंच मात्र भी नहीं है। ऐसी स्थिति में गद्यकाल की अपेक्षा आधुनिक काल नाम अधिक तर्कसंगत है। सम्भवतः इसी कारण शुक्ल जी ने स्वयं इसका विवेचन आधुनिक काल के रूप में किया है। इस काल में गद्य और पद्य दोनों को समेटने का प्रयास तो है ही, साथ ही यह इस तथ्य का भी सूचक है कि इस काल की प्रवृत्तियाँ पुरानी परम्परा से हटकर नवीन या आधुनिक हो गयी हैं। आधुनिक काल का साहित्य रीतिकालीन दरबारी साहित्य की बेड़ियों से निकलकर जनसामान्य का साहित्य बना, क्योंकि इसमें जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है और सामान्य जनता की वाणी को मुखरित करने की ओर ध्यान दिया गया है। इस काल के साहित्य को जन-जीवन के निकट लाने का प्रयास किया गया है। इस प्रकार आधुनिक काल का

साहित्य अपने पूर्ववर्ती साहित्य से कई बातों में अलग है। गद्य का विकास होने के कारण इस काल में अनेक गद्य विधाओं का सूत्रपात हुआ और इस प्रकार हिन्दी वाङ्मय की अभिवृद्धि उपन्यास, कहानी, निबन्ध, नाटक, एकांकी, आलोचना आदि अनेक विधाओं के रूप में हुई।

अभ्यासार्थ प्रश्न

प्रश्न:- आधुनिक काल के नामकरण बतायें?

पता:-
डॉ० समदर्शी कुमार
विभाग- हिन्दी (S.R.A.P.C) (B.R.A.B.U.M)
दिनांक - 01.02.2023
मो० न०- 7909046087.